हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 29 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

प्रशासन आपके द्वार: ग्रामीणों को मिली सरकारी योजनाओं की जानकारी

मण्डला। मंडला जिले के नक्सल प्रभावित बिछिया अनुविभाग के वनांचल क्षेत्र में प्रशासन आपके द्वार चौपाल का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम बांदरवाडी में भी ग्रामीणों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने और उन्हें लाभांवित करने के उद्देश्य से चौपाल लगाई गई। कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा के निर्देशन में आयोजित इस पहल का लक्ष्य प्रशासन को सीधे ग्रामीणों के द्वार तक पहुंचाना है, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं और सेवाओं का सीधा लाभ मिल सके। बिछिया अनुविभाग की अनुविभागीय दण्डाधिकारी श्रीमती सोनाली देव के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में अधिकारी-कर्मचारियों ने सीधे गांव में ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और मौके पर ही समस्याओं का निराकरण भी किया। श्रीमती सोनाली देव ने बताया कि नक्सल प्रभावित ग्राम पंचायतों में ये कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे, जिसका मुख्य उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण को सरकार की योजनाओं और सेवाओं का लाभ दिलाकर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना है।

101 आवेदन प्राप्त, 94 आवेदन का मौके पर ही निराकरण

बांदरवाडी में आयोजित प्रशासन आपके द्वार चौपाल में ग्रामीणों ने विभिन्न योजनाओं के संबंध में अपने आवेदन प्रस्तुत किए। कुल 101 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें पंचायत एवं ग्रामीण विभाग के 16, स्वास्थ्य विभाग के 67, पीएचई के 1, पशु चिकित्सा विभाग के 3, खाद्य विभाग के 2, महिला एवं बाल विकास के 2, राजस्व विभाग के 4, कृषि विभाग के 5, सहकारिता के 1 आवेदन शामिल थे। इनमें से पंचायत एवं ग्रामीण विभाग के 16, स्वास्थ्य विभाग के 67, पशु चिकित्सा विभाग के 3, महिला एवं बाल विकास के 2, कृषि विभाग के 5, सहकारिता के 1 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर आवेदकों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। शेष 7 आवेदनों का नियमानुसार परीक्षण कर समुचित निराकरण किया जाएगा।

बीईओ की नियुक्ति के लिये मांगी जा रही सलाह

नियमों के तहत क्यों नहीं होती नियुक्ति

*** स्पष्ट करें कि किस ब्लॉक में बीईओ का पद है खाली।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य विभाग, मंडला द्वारा जारी एक पत्र ने जिले के जन जातीय शिक्षा विभाग में हलचल मचा दी है। पत्र क्रमांक /सहा. आयु/सा.स्था./ 2025/9110, दिनांक 27/06/25 को जिले के समस्त प्राचार्य उ.मा.वि. (समस्त) एवं समस्त विकासखंड शिक्षा अधिकारियों को संबोधित करते हुए सहायक आयुक्त ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) पद पर कार्य करने के लिए वरिष्ठ प्राचार्यों/व्याख्याताओं से सहमति पत्र मांगा है।

पत्र में उल्लेख किया गया है कि वर्तमान में जिले के विकासखंडों में बीईओ के पद रिक्त हैं, अतः अस्थाई रूप से पदस्थापना हेतु यह व्यवस्था की जा रही है। संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने अधीनस्थ वरिष्ठ शैक्षणिक अधिकारियों से सहमति पत्र तत्काल कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

हालांकि, इस पत्र को लेकर जिले के कुछ कर्मचारी संगठनों ने गंभीर आपत्ति दर्ज की है। उनका आरोप है कि यह पत्र पूर्णतः सांठगांठ से भरा हुआ है। संगठनों का कहना है कि फिलहाल जिले के किसी भी विकासखंड में बीईओ का पद रिक्त नहीं हैं। यदि वास्तव में कोई पद रिक्त होता, तो पत्र में स्पष्ट रूप से उस विकासखंड का नाम उल्लेख किया जाना चाहिए था।

वहीं, प्रशासनिक मामलों के जानकारों का कहना है कि सरकारी नौकरी में पदस्थापना या स्थानांतरण सहमति से नहीं बल्कि स्पष्ट आदेश एवं नियमों के अंतर्गत होते हैं। सहायक आयुक्त द्वारा सहमति पत्र के माध्यम से पदस्थापना की प्रक्रिया आरंभ करना, न केवल प्रक्रियाओं की अनदेखी है बल्कि यह उनकी कार्यशैली पर भी सवाल खड़े करता है।

लोगों का मानना है कि इस प्रकार की अपारदर्शी प्रक्रिया से कर्मचारियों के मनोबल पर असर पड़ता है और विभाग की कार्यप्रणाली पर भी अविश्वास उत्पन्न होता है। अब देखना यह होगा कि विभाग इस पर क्या स्पष्टीकरण देता है और क्या यह मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में लाकर उचित कार्रवाई की मांग करेगा।

जबकि कार्यालय आयुक्त, आदिवासी विकास मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा क्रमाक/ शिक्षा-स्था.1/ 884/2020/ 10954 दिनांक 26/6/2020 को जारी कर विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी का प्रभार दिए जाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं इसके बाद सहायक आयुक्त का समिति पत्र जारी किया जाना क्या उचित है?

अपनी गलतियों पर पर्दा डालने के लिए यह सब किया जा रहा है। शासन के स्पष्ट नियम- निर्देश हैं ,कि रिक्त पद पर प्रभार देते समय वरिष्ठता का ध्यान देना चाहिए, कनिष्ठ लोक सेवक को उच्च पद का प्रभार नहीं दिया जा सकता।

विभाग के पास लोक सेवकों की वरिष्ठता सूची रहती है। जिसके आधार पर उच्च पद का प्रभार वरिष्ठ को दिया जाना चाहिए। न कि सहमति के आधार पर। क्या विभाग पूछ- पूछ कर अर्थात ताल-मेल बैठाकर पदस्थापना या संलग्नीकरण करना चाहता है। जिला स्तर से जिन्हें पहले बीईओ का प्रभार दिया गया है, क्या उन्हें हटाने की कोई चाल चली जा रही है? सर्व विदित है कि मध्य प्रदेश में संलग्नीकरण पूर्णतः प्रतिबंधित है तथा ट्रांसफर में प्रतिबंध लगा चुका है। शिक्षा सत्र प्रारंभ हो गया है।अब जब पढ़ाई का माहौल तैयार करना चाहिए तब विभाग जाग रहा है। एक मंडला ही ऐसा जिला है जहां एक प्राचार्य एक विकास खंड में प्राचार्य है तो वहीं दूसरे विकास खंड में बी ई ओ।दोहरे प्रभार की प्रणाली में कब लगाम लगेगी? ऐसे में स्कूलों की व्यवस्था चौपट हो रही है। ऐसी स्थिति में होना तो यह चाहिए कि संस्था के वरिष्ठ शिक्षक को स्कूल का प्रभारी प्राचार्य बनाया जाए। दो -दो जगह के प्रभार होने के कारण अधिकांश बीईओ मुख्यालय में नहीं रहते। बीईओ एक महत्वपूर्ण पद है जिस कारण उनका विकास खंड मुख्यालय में निवास करना जरूरी है।

इनका कहना है:-

इस मे सहमति के लिए पत्र जारी औचित्य हीन है, वरिष्ठता के आधार पर सीधे आदेश किया जाना चाहिए, आदेश के अनुसार न आने पर उनसे स्पष्टीकरण लेकर दूरे वरिष्ठ को मौका देना चाहिए।

इंजी.कमलेश तेकाम
उपाध्यक्ष एवं अध्यक्ष शिक्षा समिति
जिला पंचायत, मण्डला

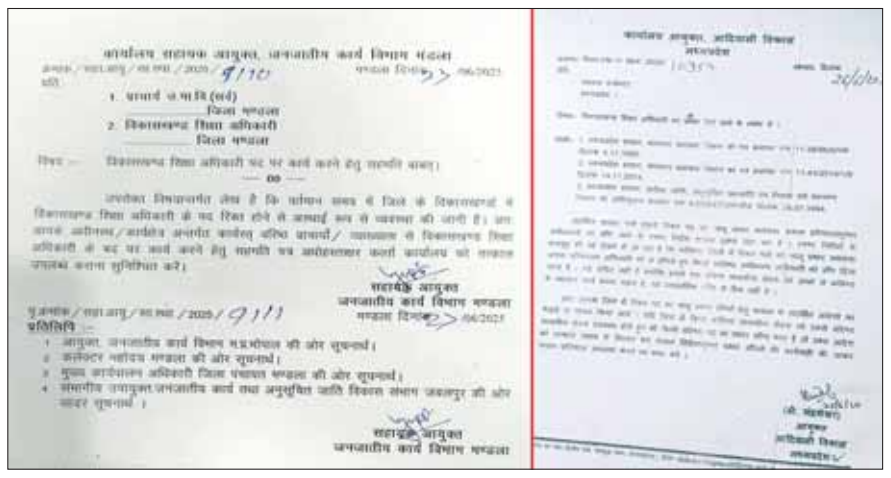

जिला स्तरीय बाल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सरस्वती शिशु मंदिर लालीपुर मंडला में महिला एवं बाल विकास विभाग एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में मिशन वात्सल्य अंतर्गत जिला स्तरीय बाल संरक्षण कानून जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री तपन धारगा व्यवहार न्यायधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, श्रीमति स्वाति चौहान किशोर न्याय बोर्ड(प्रधान न्यायधीश), किशोर न्याय बोर्ड सदस्य डॉ. रेखा चौरसिया, श्रीमति सरिता अग्निहोत्री,बाल कल्याण समिति के सदस्य श्रीमति शशि पटेल, श्रीमति तृप्ति शुक्ला, श्री रंजीत कछवाहा, श्री तारेंद्र पांडेय प्राचार्य सरस्वती शिशु मंदिर मंडला,श्रीमति आरती धुर्वे विशेष पुलिस इकाई, श्री रोहित बड़कुल सहायक संचालक मबावि मंडला, श्री अनूप नामदेव परियोजना अधिकारी मंडला की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मंदिर, महर्षि विद्या मंदिर,सेवाभारती के बच्चो द्वारा डांसप्ले के माध्यम से बालको का यौन शोषण से जागरूकता संबंधित जानकारियां दी गई। कार्यक्रम में लगभग 300 बच्चो की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत मे बच्चो को पुरस्कार वितरण किया गया।

नारायणगंज के मैली चौराहा में गांजा जप्त किया गया

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत नेशनल हाईवे 30 में मौली चौराहा में 950 ग्राम गंज पकड़ा गया चौराहे के बस स्टॉप में लल्लू वासुदेव पिता छोटेवासुदेव उम्र 45 वर्ष ग्वारीघाट जबलपुर का रहने वाला है पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार विगत कई दिनों से मैली चौराहे में अवैध गंजे की तस्करी चल रही थी जिसमें आसपास की लोगों को गांजा बेचा जा रहा था इसी फिराक में टिकरिया पुलिस द्वारा मौके पर आरोपी को पड़ा एवं केस दर्ज कर अपराध क्रमांक 8/20 दर्ज किया अपराधी को पड़कर जेल भेज दिया गया थाना टिकरिया के एस आई पंकज सिंह एस आई चौधरी जी प्रशांत बघेल टीम शामिल थी।

स्व सहायता समूह से जुड़कर कपुरिया दीदी आत्मनिर्भरता की ओर

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जिले के बीजाडांडी विकासखंड की टिकरिया ग्राम पंचायत के बम्होरी गाँव की कपूरिया विकडे ने उन हजारों महिलाओं के लिए प्रेरणा है जिन्होंने अभावों के बावजूद अपने सपनों को साकार किया। एक समय था जब कपूरिया दीदी और उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, जिससे उन्हें रोज़मर्रा के जीवन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कपूरिया बताती है कि ज्योती आजीविका स्व सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनकी जिंदगी ने एक नया मोड़ लिया। समूह और ग्राम संगठन में अपनी बात रखने पर आजीविका मिशन के माध्यम से उन्हें कृषि उद्यमी के रूप में शांति महिला आजीविका ग्राम संगठन से चयनित किया गया। इस चयन के बाद कपूरिया दीदी को 35 दिनों का प्रशिक्षण मिला, जिसने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया और उन्हें नई दिशा मिली। प्रशिक्षण के उपरांत कपूरिया दीदी ने अपने समूह से पहली बार में 50,000 रुपये और फिर 90,000 रुपये का ऋण लेकर मुर्गी पालन का कार्य शुरू किया। अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने न केवल अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाया, बल्कि एक कृषि उद्यमी के रूप में उन्होंने ग्राम संगठन की अन्य समूह दीदियों को भी उन्नत कृषि का प्रशिक्षण दिया और उन्हें भी उन्नत कृषि अपनाने के लिए प्रेरित किया। कपूरिया दीदी 8-10 दीदियों को मुर्गी पालन का कार्य भी शुरू करवाया, जिससे उनकी आय में भी वृद्धि हुई।

कपूरिया दीदी कहती है कि मेरी अब मासिक आय 45,000 से 48,000 रुपये है और मुझे लखपति दीदी के रूप में भी चयनित किया गया है। कपूरिया दीदी कहती है कि कि सही मार्गदर्शन, कड़ी मेहनत और सामुदायिक सहयोग से कोई भी व्यक्ति आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकता है।

110 लीटर अवैध कच्ची शराब जप्त, 2300 किलो महुआ लाहन को किया नष्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में जिला आबकारी अधिकारी रामजी पांडेय के मार्गदर्शन में जिले में मदिरा के अवैध संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध की गई कार्यवाही में वृत मण्डला में ग्राम मुर्गाटोला में नहर के किनारे मदिरा निर्माण करने वाले अड्डो पर दबिश की कार्यवाही की गई। जिसमें मदिरा का निर्माण करने वाले विभिन्न अड्डो से कच्ची मदिरा 65 लीटर एवं विभिन्न अड्डो से कुल 140 डिब्बो में भरा लाहन पाया। इसी प्रकार वृत नैनपुर में ग्राम जामगांव के निकट भीमकुण्ड में दबिश की कार्यवाही की गई जिसमे तालाब के किनारे स्थित कुआं के नजदिक एवं नाले के किनारे 90 डिब्बा महुआ लहान एवं 45 लीटर कच्ची शराब जप्त की गई। इस तरह कुल 110 लीटर कच्ची शराब जप्त किया एवं कुल 2300 किलो महुआ लहान को नष्ट किया। जप्त मदिरा की एवं लहान की कुल अनुमानित कीमत 2,46,500/- रुपये है। आबकारी बल को देख आरोपी भाग खड़े हुए। अज्ञात आरोपियो के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। उक्त कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी कार्यवाही के दौरान आबकारी उपनिरिक्षक सर्वेश नागवंशी, शैली सैयाम, दुर्जन कुलेश, हरे सिंह उइके, आरक्षक विजय कमलेश, नेतराम ककोटिया, महेश पटेल, शंकुतला सैयाम, सत्यपाल मरावी, प्रिया नायडू, बिहारी साहू उपस्थित रहे।

अनदेखी | **एक नगर सैनिक के हवाले पूरे रपटा क्षेत्र की सुरक्षा जिम्मेदारी।**

रेवा पथ पर बाईकर्स की धमाचौकड़ी

*** बिना रैलिंग रपटा पर यदि दुर्घटना होती है तो जबावदेह कौन?**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

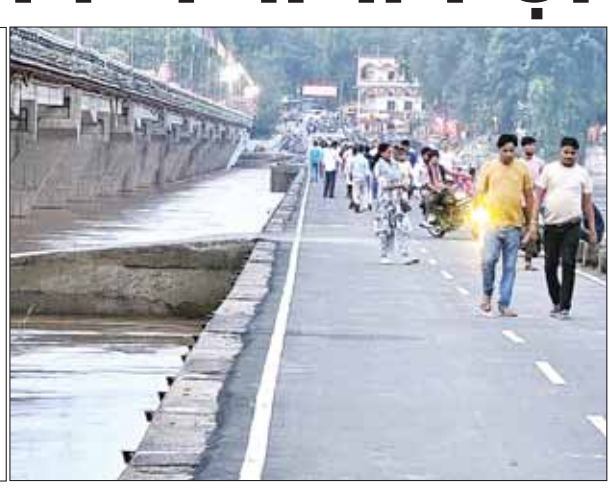

लगातार छोटे रपटा क्षेत्र की हो रही अनदेखी समझ से परे है काफी समय बाद सासंद के प्रयास से इसे एक बेहतर स्वरूप प्रदान किया गया और इस पुल का नाम भी रेवा पथ कर दिया गया। यहां पर सुबह और शाम टहलने वाले और कसरत करने वाले लोगों की अच्छी खासी भीड़ जुड़ने लगी रेवा पथ के बीच में बुजुर्गो के आराम की सुविधा का देखते हुये कुछ कुर्सिया भी लगा दी गई लेकिन जैसे ही बड़े रपटा घाट में लाल पत्थरों की श्रृंखला लगना प्रारंभ हुई इस रेवा पथ के सामने दुनिया भर की निर्माण सामग्री डाल दी गई। जनवरी माह से प्रारंभ हुई यह कवायद पिछले दिनों तक जारी रही। जब समाजसेवियों एवं मीडिया के माध्यम से इस पर आपत्ति जताई गई तब कहीं जाकर इस रेवा पथ के सामने से निर्माण सामग्री एवं टूटे और अनुपयोगी पत्थरों को हटाया गया।

अब जबकि बारिश का सीजन प्रारंभ हो चुका है और नर्मदा जी में बढ़ते जल स्तर को देखते हुये रेवा पथ पर लगी रैलिंग एवं दोनों ओर लगे बेरिकेट्स को सुरक्षा कारणों के चलते हटा दिया गया है तो अब इस पथ पर असामाजिक तत्वों की काफी भीड़ जुटने लगी है ये तत्व दोनों ओर से बेरिकेट्स हट जाने के बाद बाईक लेकर पूरे रेवा पथ पर धमाचौकड़ी मचाते हैं ऐसे में इस रेवा पथ पर टहलने वाले बच्चों एवं बुजुर्गो की सुरक्षा दांव पर लगी हुई है। बैराज में पानी होने के चलते उस ओर टहलने वाले भी रेवा पथ पर ही आ-जा रहे हैं लिहाजा भीड़ भरपूर है लेकिन इन सबकी सुरक्षा महज एक नगर सैनिक के हवाले कर दी गई है। अब ड्यूटी पर तैनात यह नगर सैनिक बाईक से फर्राटा मारते असामाजिक तत्वों को देखकर सीटी बजाता रह जाता है और ये तत्व इस ओर से उस ओर बाईक घुमाते रहते हैं। ऐसे में दुर्घटनावश यदि कोई बुजुर्ग डरकर या अपने बचाव में अपना संतुलन खो देता है और उसके साथ कोई अनहोनी हो जाती है तो फिर इसका जिम्मेदार कौन होगा?

वर्षो से हो रही संस्कृति चौकी की मांग

रपटाधाम जो कि अब एक तीर्थ क्षेत्र हो चुका है लिहाजा यहां वर्ष भर तीज-त्यौहारों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ एकत्रित होती है नर्मदा तट और नर्मदा जल के संरक्षण हेतु नियमों का पालन करना भी प्रशासन की ही जिम्मेदारी है लिहाजा यदि यहां संस्कृति चौकी स्थापित कर दी जाये तो यहां पदस्थ पुलिस कर्मियों के द्वारा न तो नर्मदा तट पर साबुन, शेम्पू एवं डिटर्जेन्ट का उपयोग हो सकेगा और न ही निर्माल्य के नाम पर नर्मदा जल में गंदगी प्रवाहित होगी। महज एक नगर सैनिक कहां तक और कितने लोगों को समझाईश दे सकता है।

ऐसा नहीं कि पुलिस कर्मियों की इतनी भी कमी नगर में है कि यहां उनकी उपस्थिति या उनकी ड्यूटी लगाना संभव न हो जबकि देखा जा रहा है कि शाम के समय 3 से 5 पुलिसकर्मी पंचचौकी आरती के दौरान व्यवस्था संभालते नजर आते हैं इन पुलिस कर्मियों को रेवा पथ भी व्यवस्था बनाने लगाया जा सकता है।

जीतू पटवारी: मध्य प्रदेश की राजनीति का सबसे दबंग चेहरा-एड राकेश तिवारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

हाल ही में मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ अशोकनगर जिले के मुंगावली थाने में दर्ज हुई एफआईआर ने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है। यह एफआईआर उसी युवक ने दर्ज कराई है, जिसने दो दिन पहले पटवारी से मुलाकात कर सरपंच पति और बेटे पर गंदगी खिलाने का आरोप लगाया था। उस समय जीतू पटवारी ने तत्काल कलेक्टर को फोन कर कार्यवाही की मांग की थी, लेकिन अब युवक अपने बयान से पलट गया है।

इस घटनाक्रम को जिला कांग्रेस कमेटी मंडला के अध्यक्ष एड राकेश तिवारी ने राजनीति से प्रेरित और सत्ता के दुरुपयोग का जीवंत प्रमाण बताया है, जो कहीं न कहीं जीतू पटवारी की बढ़ती हुई राजनीतिक साख और दबंग छवि को रेखांकित करता है। यह पहला मौका नहीं है जब पटवारी को झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश की गई है, जो इस बात का संकेत है कि भाजपा सरकार उनके बढ़ते राजनीतिक कद से चिंतित है।

वंचितों/पीड़ितों की सशक्त आवाज

जीतू पटवारी ने इस पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पीड़ित व्यक्ति पहले कलेक्टर के पास गया, मीडिया में गया और आत्महत्या का प्रयास भी किया। उनके पास आने पर उन्होंने पूरी बात सुनी, कलेक्टर को मौके से फोन किया और पीड़ित की सहमति से ही वीडियो अपलोड किया। जीतू पटवारी का यह बयान उनकी उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह पीड़ितों की आवाज उठाना अपना दायित्व समझते हैं।

कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि भाजपा सरकार दलितों और वंचितों पर लगातार बढ़ते अत्याचारों के बीच इस वीभत्स घटना को दबाने का प्रयास कर रही है। यह आरोप इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि जीतू पटवारी ने लगातार दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और वंचित वर्ग पर होने वाले अत्याचारों के खिलाफ मुखर आवाज उठाई है। उनकी यह भूमिका उन्हें मध्य प्रदेश की राजनीति में वंचितों और शोषितों के सबसे मजबूत पैरोकार के रूप में स्थापित करती है। वे केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहते, बल्कि मैदान में उतरकर सरकार से सीधी लड़ाई लड़ते हैं, जैसा कि इस मामले में कलेक्टर को मौके पर फोन करने से स्पष्ट होता है।

खबर संक्षेप

भाई ने भाई को लाठी मारकर किया घायल

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस समीपस्थ सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत आने वाले ग्राम खंचारी निवासी संतराम पिता बाल किशन चौधरी उम्र 39 साल द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि उसके भाई शिव कुमार से पुरानी बुराई चल रही है। इसी बात को लेकर जब वह अपने के पास बैठा हुआ था तो शिवकुमार द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये लाठी से मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

दुकान के चौकीदार से की मारपीट

गाडरवारा। स्थानीय पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये शहर के शरद नीखरा कंस्ट्रक्शन के चौकीदार द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया कि जब रात समय व डियूटी कर रहा था उसी दौरान शंकर धानक निवासी ग्राम पनारी रात के समय आया और प्रतिबंधित जगह पर घुसने लगा तो चौकीदार द्वारा उसे रोकते हुये पूछा की तुम यहा क्या कर रहे हो आरोपी द्वारा कहा की मेरी गाय गुम गई है उसे खोज रहा हूं। इस प्रकार काफी देर बात लौटकर आने पर चौकीदार द्वारा पुनः पूछताछ की गई तो आरोपी द्वारा गोल मोल जबाब दिये जाने पर चौकीदार द्वारा उसे भगा दिया गया। मगर देर रात आरोपी शंकर फिर अपने हाथ में गिट्टी उठाने का पंजा लेकर आया ओर प्रार्थी चौकीदार पर हमला बोलते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

पुरानी बुराई के चलते ऑटो चालक से मारपीट

गाडरवारा। नगर के पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस स्थानीय गांधी वार्ड निवासी एक आटों चालक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि उसका गाडरवारा ही निवासी अभिषेख उर्फ पुछना त्रिवाठी से पुरानी बुराई चल रही है। बीते हुये दिवस प्रार्थी जब रेलवे स्टेशन के पास हनुमान मंदिर के पास खड़ा हुआ था उसी दौरान अभिषख ने आकर प्रार्थी को गंदी गंदी गालिया देने लगा जब प्रार्थी द्वारा गाली देने से मना किया तो आरोपी ने डंडे से मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने प्रार्थी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

घर के अंदर घुसकर की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ चीचली पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम आंडेगांव निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि पुरानी बुराई को लेकर बीते हुये दिवस आंडेगांव ही निवासी हरि गोविंद पिता मानसुख चौधरी द्वारा जबरन घर के अंदर घुसकर गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

दो ने मिलकर की मारपीट

गाडरवारा। समीपस्थ चीचली पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस चीचली ही निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मुहल्ला का दलीप कहार नामक युवक घर के सामने आकर किसी बात को लेकर गंदी गंदी गाली दे रहा था। प्रार्थी द्वारा घर के अंदर से बाहर आकर जब गाली देने से मना किया तो आरोपी द्वारा एक लकडी से मारपीट कर चोटे पहुंचाई इसके बाद उसका साथी दीपक कहार ने भी आकर पीड़ित के साथ मारपीट की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

अंतराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के मौके पर शासन प्रशासन द्वारा नशे की गिरफ्त में समा रही युवा पीढ़ी को जागरूक करने के लिये नहीं किया कोई आयोजन

शहर से लेकर गांव गांव विदेशी सिगरेट का धुआं व मादक पदार्थों का अवैध कारोबार छीन रहा युवाओं के जीवन का सुनहरा भविष्य...

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस बात से इंकार नही करते है लगातार बढ़ रहे मादक पदार्थो के कारोबार को लेकर पुलिस द्वारा कार्यवाही नही की जा रही है। मगर लगातार हो रही कार्यवही के बाद भी जिस तरह युवाओं को इस नशे के दलदल में समाते हुये देखी जा रही है वह निश्चित तौर से चिंता जनक सच्चाई उजागर करने से नही चूक रही है। वही दूसरी ओर नशामुक्ति को लेकर अनेक समाजसेवी संस्थाओं व एनजीओं पर सरकार द्वारा मन माना पैसा खर्च किया जा रहा है। मगर इसके बाद भी नशे की गिरफ्त में समा रही युवा पीढ़ी को देखते हुये शासन प्रशासन की मुहिम मात्र एक औपचारिकता साबित होने से नही चूक पा रही है...? अक्सर देखा जाता है कि प्रशासन से लेकर समाज सेवी संस्थाओं सहित एनजीओ द्वारा नशा मुक्ति के नाम पर आये दिन युवाओं को नशा से दूर रहने के लिये अनेक प्रकार के संदेश देते हुये देखा जाता है। मगर वह आयोजन सिर्फ अखबारों की सुर्खियों में छाने के आलवा और कुछ साबित होने से नही चूक पाते है। क्योंकि जिस प्रकार से देखा गया कि बीते हुये 26 जून गुरूवार को जहां अंतर्राष्टीय नशा निरोधक दिवस होने के बाबजूद भी शासकीय कार्यालयों से लेकर सार्वजनिक स्थलों पर धडल्ले से धूर्मपान करते हुए लोग नजर आ रहे थें। जबकि इस बात को सभी लोग जानते है कि जहां सार्वजनिक स्थलें पर धूम्रपान करना प्रतिबंधित है। मगर इसके बाद भी इस आदेश का शायद ही कही पालन होते हुये देखा जा रहा हो..? इस दिवस लोगों का उम्मीद थी कि शायद प्रशासन द्वारा युवाओं को महामारी की गिरफ्त से बचाने के लिये सचेत किया जावेगा कि धूम्रपान से कैंसर जैसी घातक बीमारी फैलाने वाली सिगरेट, जर्दे, तम्बाखु युक्त गुटकों, बीड़ियों का सेवन करना सेहत की दृष्टि से ठीक नही है। मगर इस दिवस युवाओं को जागरूक करने के लिये प्रशासन की ओर से कोई पहल करना भी उचित नही समझा गया जिसका परिणाम है कि अब इस प्रकार का नशा जहां युवाओं के लिये फैसन बनते हुये चला जा रहा है। क्योंकि क्षेत्र के गांवो में तो सिर्फ बीड़ी फूंकने, हथेली में जर्दा मल कर फॉकने का चलन है। किंतु शहर के अधिकतर युवाओं के लिए सड़कों, स्टेशन, सार्वजानिक स्थानों पर सिगरेट से धुयें के छल्ले उड़ाकर वातावरण को प्रदूषित करना आम बात बन चुकी है। हालत यह है कि सिगरेटो के साथ तम्बाकू युक्त गुटकों का सेवन करने की प्रवृत्ति के कारण युवाओं के चेहरों की चमक दमक गायब हो रही है और महॅगी सिगरेटो का धुआॅ निरंतर युवाओं का सुनहरा भविष्य छीन रहा है जो जुये, सट्टे, कैसीनो, होटल बाजी काफी हद तक प्रेम की हिलोर की गिरफ्त में आये युवा यह सोचने में असमर्थ हो गए है कि सिगरेट पीने के शौक से किस तरह पीछा छुड़ाया जाए। यह बात नहीं है कि सिगरेट का जादू केवल युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। बल्कि हकीकत यह है कि शहर के शासकीय विभागों के कार्यालयों से लेकर नगर के अनेक बैंक शाखाओं, स्टेशन, बस स्टेण्ड, बाजार में भी सावन के बादलो की तरह सिगरेट के धुयें के छल्ले हवा में उड़तें दिखायी दे रहे है और नगर में बढ़ती जा रही पान की दुकानें इस बात की गवाही दे रही है कि स्वास्थ की दुश्मन सिगरेट, बीड़ी पीने का चलन रूक नही रहा है तथा लोग तम्बाखू युक्त चीजो से जानित बीमारियों के शिकार होकर अपने खून पसीने की कमाई डाक्टरो को भेट करने मजबूर हो रहे है। इस संबंध में शहर के अनेक पान विक्रेताओं ने बताया कि वर्तमान में एक से एक बढ़कर सिगरेटें बाजार में आ गयी है। साधारण मानी जाने वाली सिगरेट जहां 8 रू. में एक बिक रही है। वही खूब सूरत पैकिटों में रखी सिगरेट के दाम काफी ऊॅचे है, जिसके चलते सिगरेट के लुभावने पैकिटों की रेंज शोकेसों में सजाना उनकी विवशता हो गयी है। वही दूसरी ओर शहरों के साथ गांव गांव अवैध रूप से बिक रही शराब के साथ साथ स्मैक, गांजा सहित अन्य प्रकार के मादक पदार्थो के अवैध कारोबार की चपेट में युवा व किशोर के साथ साथ अब लड़िकयों भी आने से नही बच पा रही है और इसी का परिणाम है कि शराब के जाम छलकाने के दौरान युवा जहां बेहतरीन सिगरेट पीना पसंद करने लगे है। यदि लगातार बढ़ रहे मादक पदार्थो के फैशन के कारण शहर में प्रतिदिन जमकर गुटकों, बिडी, सिगरेट का कारोबार हो रहा है और नगर का माहौल सिगरेट, बिडी के धुयें के विषाक्त असर से विकृत करने से नही चूक रहा है। बीते हुये 26 जून को अंतर्राष्टीय नशा निरोधक दिवस पर देखा गया कि जहां अनेक युवा इस प्रकार से धूम्रपान की गिरफ्त में फंसे हुए देखे गये। मगर धन्य है प्रशासन जिसने इस अंतर्राष्टीय निरोध दिवस के अवसर पर लोगों को जागरूक करने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रशासन द्वारा इन युवाओं की जिन्दगी को बचाने के लिये कोई पहल की गई हो...? जबकि अक्सर देखा जाता है कि प्रशासन द्वारा नशा मुक्ति को लेकर जहां प्रतिवर्ष हजारों रूपया खर्च करते हुए देखा जाता है। मगर इस दिवस पर प्रशासन की उदासीनता का खुला प्रमाध देखने मिलने से नही चूक पाया है। जबकि गौर किया जावे तो नगर में नशा मुक्ति के नाम पर एनजीओं तक संचालित हो रहे है जो आये दिन नशा मुक्ति के नाम पर अनेक प्रकार के आयोजन करते हुए आमजन की नजरों में वाही वाही लूटते हुए लोगों को नशा मुक्त करने के नाम पर शासन से पैसा हथियाने से नही चूकते है? मगर इस दिवस किसी के द्वारा भी युवाओं के लगातार फंस रहे नशी से मुक्त दिलाने के लिये कोई पहल करने का प्रयास किया गया हो। क्योंकि नशे की गिरफ्त में फसा हुआ व्यक्ति अपने आप को तो बीमारी से बचाने में सफल नही होता है साथ ही साथ नशे की गिरफ्त में फंसे व्यक्ति का पूरा परिवार बर्बादी की कगार पर पहुंच जाता है? जब उसे अपनी लत पूरी करने के लिए पैसो की व्यवस्था नही होती है तो वह अपने परिजनों के साथ मारपीट करते हुए पैसा छीनने से भी नही चूकता है और घर की जरूरी सामग्री को बेचते हुए अपनी लत को पूरा करता है जिसके चलते इस प्रकार से लोगें में लगातार बढ़ रही नशे की लत के चलते अनेक परिवार विखरते हुए देखे जा रहे है?

नगर में जहां तहां विक्रय हो रही मांस मछली के अवैध कारोबार के चलते नगर में फैल रही गंदगी

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। भले ही नगर पालिका द्वारा मांस मछली विक्रय करने के लिये जगह निर्धारित की गई है। मगर इसके बाद भी लोगों द्वारा नगर में जहां तहां खुलेआम मांस मछली का विक्रय करते हुये देखा जा रहा है जिसके चलते नगर का वातावरण तो प्रदूषित हो ही रहा है साथ ही साथ लोगों की धार्मिक भावनाओं को भी ठेंस पहुंचने से नही चूक रही है? इस प्रकार से मांस मछली विक्रय करने वालो की मनमानी पर अंकुश न लग पाना नपा प्रशासन की उदासीन कार्य प्रणाली सहित पुलिस प्रशासन की उदासीनता को भी उजागार करने से नही चूक रही है? जिसके चलते इस प्रकार से नगर में धडल्ले से जहां तहां हो रहे मांस मछली के विक्रय से नगर में गंदगी फैलने के साथ साथ लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेंस पहुंचने से भी नही चूक रही है? क्योंकि इस प्रकार से मांस मछली सहित अंडे का व्यापार करने वाले लोगों द्वारा न तो नगर के मंदिरों का ध्यान रखा जा रहा है और न ही शिक्षण संस्थाओं का जिसके चलते लोगों में इस प्रकार से खुलेआम बिक रहे मांस मछली के विक्रय को लेकर आक्रोश देखने मिल रहा है? इस प्रकार से धडल्ले से विक्रय होने वाले मांस मछली की सच्चाई इस समय नगर की पानी टंकी सहित सहित अन्य स्थानों पर देखने मिल रही है। बताया जाता है कि पानी टंकी के पास जहां नगर का एक मात्र गायत्री मंदिर स्थित है वही हनुमान मंदिर के साथ साथ शिक्षण संस्था भी स्थापित है, मगर इसके बाद भी यहां पर प्रतिदिन शाम के वक्त जहां खुलेआम मछली विक्रय होते हुये देखी जा रही है वही अनेक मांस की दुकाने भी संचालित हो रही है, इस स्थिति में जब कोई व्यक्ति मंदिर जाता है तो उसे सबसे पहले इस प्रकार से विक्रय होने वाली मांस व मछली पर नजर पड़ते हुये उसकी धार्मिक भावना को ठेस पहुंच रही है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई स्कूली बच्चों में भी देखने मिल रही है जिन्हें इस प्रकार खुलेआम विक्रय होने वाले मांस व मछली के चलते घृडा का शिकार होते हुये देखा जाता है, कुछ इसी प्रकार का हाल नगर के पलोटन गंज जाने वाले मार्ग पर देखी जा रही है जहां हनुमान मंदिर व आचार्य मंदिर से चंद कदम दूरी पर खुलेआम बिरयानी विक्रय का वोर्ड अपनी शोभा बढ़ाने से नही चूक रहा है, यही हाल नगर के अन्य स्थानों पर भी देखने मिल रहा है? इस प्रकार से निर्धारित स्थल के जगह नगर के प्रमुख व धार्मिक स्थलों के आसपास होने वाले मांस मछली विक्रय को लेकर न तो प्रशासन द्वारा कोई कदम उठाया जा रहा है और नही नपा प्रशासन द्वारा जिसके चलते नगर में खुलेआम गंदगी का महौल निर्मित होने से नही चूक पा रहा है। इस प्रकार से नगर की गलियों व धार्मिक स्थलों के आसपास होने वाले मांस मछली विक्रय पर अंकुश लगाने की मांग की जा रही है।

सालीचौका क्षेत्र में लगातार बढ रहे नशे के काले कारोबार पर अंकुश लगना जरूरी

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका। इन दिनों सालीचौका क्षेत्र की स्थिति इस तरह देखने मिल रही है कि इस क्षेत्र में मादक पदार्थो का अवैध कारोबार लगातार अपनी गति पकड़ने में कोई कसर नही छोड़ रहा है। बताया जाता है कि शराब के बाद क्षेत्र में अन्य नशीली चीजो की बिक्री में इजाफा होने से युवा पीढ़ी बर्बाद होने की कगार पर आने लगी है? नगर में आसानी से मिलने वाली महॅगी सिगरेटो के फूॅकने के दौरान युवाओं, किशोरो का लगभग नियमित मदिरा पान करने से घरो का माहौल बिगड़नें की जहां शुरूआत हो गयी है। वही शहरवासी भी शहर के युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतित नजर आने लगे है। भरोसे मंद सूत्रो के अनुसार इन दिनों नशे के कारोबार में नया मोड़ आ गया है तथा तत्वो द्वारा स्मैक तथा अन्य ऐसे नशीले पदार्थ भी बेचे

जाने लगे है? जिनका उपयोग युवाओं के घातक है, मगर इसके बाद भी बताया जात है कि इन पदार्थो का पहली बार प्रयोग करने के बाद गरीब, युवा इसके आदी हो जाते है और इन नशीली चीजो के न मिलने से उनका शरीर छटपटाने लगता है, विदित हुआ है कि आजकल युवक बेधड़क नशीली दवाओं व इंजेक्शनों का इस्तेमाल कर रहे है और कथित तौर पर नशा करने के लिए उनकी तरफ डबल रोटी के स्लाईस पर आयोडेक्स भी खाया जा रहा है, जागरूक क्षेत्र के लोगों का कहना है कि शायद पुलिस लिखा पढ़ी सें बचने नशे के कारोबार पर प्रतिबंध लगाने प्रयास नही कर रही है, जिसका नतीजा है कि नशीली चीजें बिकने से नगर का वातावरण खराब होने के साथ अधिकतर वे युवा बर्बादी की राह पर कदम बढ़ा रहे है जिनके कंधो पर बूढ़े मॉ, बाप, भाई, बहिनो की देख भाल की सीधी जिम्मेदारी है, फिलहाल शहर में नशीली चीजो की बिक्री की रोकथाम की गुहार उठने लगी है, जिसे गंभीरता से सुन पुलिस को अब नशीली चीजो के विक्रय पर रोक लगाना जरूरी हो गया है।

कांक्रीट मेटेरियल के दाम बढ़ने से हितग्राही परेशान

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जिस प्रकार से केन्द्र सरकार द्वारा गरीबों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना की शुरूआत की गई थी जिससे निश्चित ही उन गरीबों के चेहरों पर मुस्कान आते हुए देखी जा रही थी जो कभी सपने में अपने कच्चे मकानों को तोड़कर पक्के बनाने की सोच भी नही सकते थें, मगर इस योजना ने कच्चे आवासों में रहने वाले गरीबों को जो रहात प्रदान की गई है निश्चित ही उल्लेखनीय मानी जा रही है। मगर जब इस योजना की शुरूआत हुई थी उस समय भवन निर्माण करने वाली हर सामग्री की कीमत उतनी नही थी जो वर्तमान में चल रही है, मगर लगातार बढ़ रही महंगाई के दौरान में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्धारित की गई राशि से वर्तमान समय में गरीबों को अपने आवासों का निर्माण कर पाना मुश्किल दिखाई देने लगा है। इस समय देखा जावे तो शहर में बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आने वाल हितग्राहियों के आवासों का निर्माण कार्य चल रहा है और हितग्राही इस काम के लिए मिली राशि से बारिश का मौसम आने के पहले अपने आशियानो का निर्माण करने के लिए उतावले होते हुए देखे जा रहे है किन्तु देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से लोहा, सीमेन्ट व रेत सहित अन्य निर्माण सामग्री के दामों में लगातार हो रहे इजाफे से गरीब परेशानी में पड़ने से नही चूक रहे है, जिसके चलते हितग्राहियों का कहना है कि मकान बनाने में सबसे ज्यादा उपयोग होने वाले लोहे की कीमत में उछाल होने से जहां परेशानी हो रही है, वही दूसरी ओर शासन द्वारा निर्धारित की गई राशि में अपने आवासों का कार्य पूर्ण करना मुश्कि में आते हुए देखा जा रहा है।

शमशान घाट पर आवारा मवेशियों का लगा रहता है जमावड़ा, गंदगी के बीच अपनी जिन्दगी के अंतिम पंडाव को पार करने मजबूर लोग

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। इस समय जिस प्रकार से प्रदेश सरकार द्वारा गांव गांव पक्के शमशान घाट इस सोच के चलते निर्मित कराये जा रहे है कि आदमी की जीवन की अंतिम यात्रा तो सुखमय तरीके से पूर्ण हो सके और जब किसी व्यक्ति की जिन्दगी समाप्त होने के बाद जब उसे अंतिम संस्कार करने के लिए ले जावे तो लोगों को कुछ शांति का अहसास हो सके? मगर इस समय जिस प्रकार से सांईखेड़ा के शमशान घाट की सच्चाई देखी जा रही है उसके चलते सरकार की संपूर्ण विकास कार्यो पर सबालिया निशाल लगने से नही बच पा रहे है? क्योंकि नगर का एक मात्र शमशान घाट अनेक प्रकार की अव्यवस्थाओं से घिरा हुआ दिखाई पड़ रहा है, जिसके उद्धार हेतु किसी भी प्रकार की सोच नही होने के कारण जहां यह शमशान घाट चारो ओर गंदगी से घिरा हुआ है। वही दूसरी ओर यहां पर चारो ओर से अतिक्रमण होने के कारण नगर का शमशान घाट मुश्किलों के बीच अपना दामन बचाने के लिए जूझते हुए देखा जा रहा है? इतना ही नही यदि गौर किया जावे तो इस शमशान घाट पर किसी भी प्रकार की सुरक्षा नही होने के कारण जहां दिन भी आवारा पशुओं का जमावडा लगा रहता है, जिसके चलते जब कोई व्यक्ति किसी भी शव का अंतिम कार्य करने के लिए लेकर पहुंचते है तो आवारा पशुओं के बीच उस कार्य को पूर्ण करने के लिए भी लोगों को परेशानियों से जूझने के लिए मजबूर होते हुए देखा जाता है?

अधिकारियों की मिलीभगत के चलते गांव गांव किराया या फिर झोपड़ीनुमा भवनों में खुल रही शिक्षण संस्थाओं में किया जा रहा नियमों को अनदेखा

अपने बच्चों को अंग्रेजी पढ़ाने के जूनून के चक्कर में अभिभावकों की जेबें हो रही खाली...?

हरिभूमि न्यूज/चीचली। म.प्र.सरकार गांवों के शासकीय स्कूलों में बेहतर सुविधाएं देकर बच्चों को उनमें अध्ययन करने के लिए आकर्षित कर रही है। मगर जिन शासकीय शालाओं में शिक्षक नहीं है, उनमें योग्य शिक्षक, अतिथि शिक्षक, संविदा शिक्षक भेजे जा रहे है। वही दूसरी ओर छात्र छात्राओं को गणवेश से लेकर साईकिलों के साथ साथ छात्रवृति सहित भोजन व निःशुल्क पुस्तके भी दी जा रही हैं। किन्तु आश्चर्य का विषय है कि शहर के तरह ग्रामों के अभिभावकों पर भी अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पढ़ाने का जिस प्रकार से जुनून छा रहा है, उसका नतीजा है कि गांवों में भी अब अंग्रेजी माध्यम की धड़ल्ले से निजी शालाएं खुलती चली जा रही है जहां पर खुलेआम शासन द्वारा निर्धारित किये गये मापदंडो को दर किनारे करते हुए मनमानी फीस बसूली जा रही है। इस तरह गांव गांव खोली जा रही शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो शिक्षा विभाग के अधिकारियों की मिली भगत के चलते झोपडीनुमा मकानों व किराये के भवनों में बच्चों की सुविधाओं को दर किनार करते हुये खोली जा रही इन शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई को लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े होने से नही चूक रहे है? क्योंकि शिक्षा विभाग के नियम के अनुसार बताया जाता है कि किसी भी शिक्षण संस्था का संचालन करने के लिये खेल मैदान सहित खुद का भवन होने के आलवा बच्चों को बैठने के लिये हवा प्रवेश करने वाले कमरे व शौचालय से लेकर शुद्व पीने के पानी की व्यवस्था होना जरूरी होता है। मगर गांव गांव खुल रही इन संस्थाओं में यह जरूरी सुविधाये कोसो दूर तक दिखाई न देने के बाद भी शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा आंखे बंद करते हुये इन शिक्षण संस्थाओं को लक्ष्मी पूजन के आधार पर अनुमति प्रदान किये जाने से मासूम के भविष्य पर ग्रहण लगने से नही चूक रहा है तो दूसरी ओर अभिभावको की जेबे भी खाली होने से नही बच पा रही है..? इतना ही नही अक्सर देखा जाता है कि जब शिक्षा शत्र की शुरूआत होती है तो प्रवेश लेने वाले बच्चों को सीट फुल होने का भय दिखाते हुए अधिक डोनेशन प्राप्त करने का फंडा अपनाया जाता है। इसकी सच्चाई इस समय शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में नियमों को दर किनार चलने वाले स्कूलों में आसानी से देखने मिल रही है। जिसके चलते देखा जा रहा है कि आने वाले जुलाई माह यानि की चंद दिनों के बाद में नये शिक्षा सत्र की शुरूआत होने जा रही है, जिसके चलते स्कूलों द्वारा जहां तहां बैनर पोस्टर लगाते हुये अभिभावकों को लुभाने की कोई कसर नही छोड़ी जा रही है? गौरतलब है कि अंग्रेजियत में डूबी इन निजी शालाओं की फीस महंगी तो होती ही है इसके अलावा इनमें पढ़ने वाले बच्चों से डोनेशन और अन्य मदों में राशि की बसूली कर अभिभावकों को आर्थिक शोषण किया जाता है?अनेक निजी शालाएं तो ऐसी भी रहती है जो स्थापना के निर्धारित माप दंडों पर खरी नहीं होती, इनके पास न तो व्यवस्थित खेल मैदान होता और न ही पुस्तकालय, प्रयोग शालाा तथा अन्य सुविधाएं रहती है, वही पढ़ाने वाले शिक्षको की स्थिति देखी जावे तो वह खुद अग्रेजी नही जानते है। मगर बच्चों को अग्रेजी पढ़ाने की बात करते है और जिन गांवों के अधिकांश निवासी ए बी सी डी नही जानते है और उनमें नेटवर्क फैलाकर ये निजी स्कूल अंग्रेजी शिक्षा का महत्व बताकर अभिभावकों को जाल में फंसा लेते है और बच्चों के दाखिले के बाद शुरू हो जाती है वह अभिभावकोंके शोषण की कहानी जिसका पूरे साल अंत नहीं होता? उल्लेखनीय है कि महंगाई के इस दौर में किताबों, कापियों, बच्चों को गणवेश तथा अन्य शालेय सामग्री के दामों में इजाफा होने से बैसे ही बच्चों को शिक्षित कराने में अभिभावक परेशान रहते है। इस तरह गांवों में आयी निजी स्कूलों की बाढ़ से शिक्षा-व्यवस्था और गड़बड़ होती चली जा रही है। इस सब में मजेदार तथ्य है कि जहां एक तरफ अंग्रेजी मीडियम स्कूल चमचमाते इश्तहार तथा विज्ञापन प्रकाशित कर शासकीय स्कूलों से अभिभावकों को मोह भंग करते हुए अपना तामझाम फैलाने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। वही जिले के शिक्षा विभाग की तरफ से शासकीय शालाओं की व्यवस्थाओं के संबंध में ऐसा कोई प्रचार अभियान नही चलाया जा रहा है, जो शासकीय शालाओं के प्रति अभिभावकों में अनुराग जाग सके। इस तरह इस समय देखा जा रहा है कि गांव गांव खुल रही निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा शिक्षकों को लगातार लोगों के घरो घरो भेजकर सर्वे कराते हुये बच्चों को अपने स्कूलों में प्रवेश दिलाने के लिये प्रेरित करने में कोई कसर नही छोड़ रहे है। मगर बडे ही हैरत की बात है कि प्रशासन तंत्र में बैठे हुये जम्मेदार अधिकारियों द्वारा इन स्कूलों की सच्चाई को जिस तरह नजर अंदाज करते हुये आंखे बंद की जा रही है इसी का परिणाम है कि गांव गांव फैल रहे निजी स्कूलों के मायाजाल में ग्रामीण फंसने से नही चूक रहे है? आज तक किसी भी जम्मेदार अधिकारी को इन निजी शिक्षण संस्थाओं को निरीक्षण करते हुये नही देखा गया होगा कि जिन शर्तो के तहत इन शिक्षण संस्थाओं को संचालित होने की अनुमति प्रदान की गई है वह संस्था में मौजूद है कि नही...?

खबर संक्षेप

बुढानपुर में जुआं खेलते तीन जुआरी धराये

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा पुलिस ने शुक्रवार का नगर के समीपी गांव बुढानपुर पतेरा टोला में दबिश देकर जुआ खेलते तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को जानकारी मिली कि पतेरा टोला नवा तालाब के पास कुछ जुआरी ताश के माध्यम से हार जीत का गांव लगा रहे है। घेराबंदी कर मौके से पप्पू उर्फ जलेश्वर चौधरी 37 वर्ष निवासी पतेरा टोला, अजय बसोर 27 वर्ष पिता सुंदरलाल निवासी वार्ड क्रमांक 7 बनिया टोला एवं सुरेश सोनी 53 वर्ष पिता ददनराम सकोल को गिरफ्तार करते हुए नगदी एक हजार एवं ताश के 52 पत्तों के साथ धारा 13 जुआ एक्ट में कार्यवाही की गई। बताया जा रहा है कि खुले स्थान पर जुआ होने के कारण पुलिस के आने के पूर्व ही कुछ लोग मौके से फरार हो गए।

खेत में करंट लगाने वालों पर हुई एफआईआर

उमरिया। जिले के नौरोजाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत करकेली के बन्नानाला बरही में करंट लगने से मृत हुए संतराम बैगा पिता रामप्रसाद (38) निवासी करहीटोला की मौत के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की है। मृतक के शरीर में मिले चोट के निशान व खेत में मिले साक्ष्य के आधार पर ओमप्रकाश गुप्ता को आरोपी बनाया गया है। पुलिस के अनुसार स्थल पर लोहे की फेंसिंग लगाकर ओमप्रकाश गुप्ता ने करंट फैला रखा था। उसी में फंसकर संतराम को अपनी जान से हाथ धोना पड़ गया। प्रकरण में अन्य कृष्णा, आंशु, प्रिंस व उमा गुप्ता सभी निवासी बन्नानाला को आरोपी बनाकर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस का कहना है कि घर में मौजूद ये लोग यदि समय रहते करंट को समेट लेते तो यह जनहानि रोकी जा सकती थी। बता दें कि एक दिन पूर्व 24 जून को बन्ना नाला बरही में संतराम बैगा पिता रामप्रसाद का शव ओमप्रकाश गुप्ता की बाड़ी में मिला था। तार फेंसिंग में लगे करंट के चलते संतराम की मृत्यु हो गई थी।

जिले में उत्कृष्ट कार्य करने पर विधायक ने किया सम्मानित

उमरिया। जिले में उल्लेखनीय उत्कृष्ट कार्य करने पर बांधवगढ़ विधायक शिव नारायण सिंह ने सामाजिक संस्था युवा टीम उमरिया के युवा हिमांशु तिवारी को अनुशंसा पत्र देकर सम्मानित कर उज्जवल भविष्य की कामना की है। सामाजिक संस्था युवा टीम उमरिया के द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता, जल संरक्षण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्वच्छता अभियान, पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान, क्लीन उमरिया ग्रीन उमरिया, मतदाता जागरूकता अभियान, सडक़ सुरक्षा अभियान, रक्तदान कैंप, ग्रामीण क्षेत्रों में निशुल्क कोचिंग क्लास, निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, निशुल्क योग शिविर,बाल विवाह,बाल मजदूरी, बाल संरक्षण एवं आदि उल्लेखनीय कार्य किए गए। बांधवगढ़ विधायक शिवनारायण सिंह ने युवा टीम उमरिया की सराहना करते हुए कहा कि निस्वार्थ भाव से सेवा देने वाले हिमांशु तिवारी व उनकी युवा टीम अनेक प्रकार के अभियानों के माध्यम से लोगो को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, पौधारोपण महा अभियान व ब्लड डोनेशन कैम्प आयोजित कर ग्रामीण क्षेत्र के वासियों को जागरूक करने का सराहनीय कार्य कर रहे हैं।उन्होंने ऐसे ही सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए कार्य करने के लिए युवा टीम को प्रोत्साहित किया तथा सहयोग की बात भी कही।

बीएमओ पर मरीज के पिता को धमकाने का आरोप, थाने में की शिकायत

इलाज में लापरवाही बरतने तथा गलत रिपोर्ट देने पर सवाल करना पड़ा महंगा

बजाग।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बजाग में पदस्थ चिकित्सकीय अमले पर मनमानी के आरोप लगे है,अस्पताल प्रबंधन द्वारा एक बच्चे के इलाज में लापरवाही किए जाने तथा गलत जांच रिपोर्ट बताए जाने की समस्या लेकर पहुंचे पिता को बीएमओ ने डांटकर भगा दिया गया। इतना ही नहीं अस्पताल से बाहर निकल जाने तथा कार्यवाही के लिए भी धमकाया गया। पीड़ित पिता ने थाने में आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई है ऐसा पहली बार नहीं है, जब सी एच सी में मरीजों के साथ गलत व्यवहार किया गया है बुरा बर्ताव किए जाने के कई मामले सामने आ चुके है।

वर्तमान बीएमओ की पदस्थापना के बाद से अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्था लड़खड़ाई हुई है आए दिन अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लग रहे है।चिकित्सीय स्टाफ मनमर्जी पर उतारू है ओपीडी में समय पर डॉक्टर नहीं मिलते। मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ता है मरीजों द्वारा प्रबंधन से व्यवस्थाओं पर सवाल जवाब करना महंगा पड़ता है तहसील स्तरीय अस्पताल में व्याप्त अव्यवस्थाओं को लेकर क्षेत्र के ग्रामीणों में असंतोष पनप रहा है सूत्रों का कहना है कि बीएमओ ,शासकीय सेवा में कम निजी प्रैक्टिस में ज्यादा रुचि रखते है । थाने में दिए गए आवेदन में नगर के एक युवा प्रदीप साहू पिता मूलचंद साहू ने उल्लेख किया है तबियत बिगड़ने पर मैंने अपने पुत्र प्रयाग साहू का इलाज कराने 23 जून को अस्पताल ले गया था। जहां बच्चे की जांच की गई।टेस्ट रिपोर्ट आने पर डॉक्टर को दिखाने पर रिपोर्ट सामान्य है बताकर भगा दिया गया। बच्चे के स्वास्थ्य पर सुधार नहीं होने पर अन्य चिकित्सक को रिपोर्ट दिखाई गई। रिपोर्ट चेक करने के बाद उन्होंने पीलिया होने की संभावना बताते हुए जांच कराने डिंडोरी भेजा। जहां डिंडोरी में जिला अस्पताल में तीन दिवस तक मेरे बच्चे का इलाज चलता रहा।लौटकर मैने इसकी जानकारी बीएमओ को दी और प्रबंधन द्वारा गलत रिपोर्ट दिए जाने पर अपनी समस्या बताई इस पर बीएमओ आगबबूला हो गए। और गुस्से में धमकाते हुए बोले कि जहा शिकायत करना है कर दो। पिता ने आरोप लगाया है कि बीएमओ के द्वारा बच्चे के इलाज में लापरवाही बरती गई है तथा समस्या बताने पर अभद्रता की गई है पीड़ित ने बताया कि गलत रिपोर्ट देने से इलाज में देरी हुई , बीएमओ की लापरवाही के कारण गंभीर समस्याओं से जूझना पड़ा।पीड़ित ने उचित कार्यवाही के लिए थाने में आवेदन दिया है।

छात्रावासों में शुरू हुआ विशेष निरीक्षण अभियान, सुविधाओं की होगी गहन जांच

बच्चों की सुविधा सर्वोपरि: छात्रावासों में सफाई, भोजन और सुरक्षा पर प्रशासन की नजर

डिंडौरी।

जिले में संचालित समस्त शासकीय छात्रावासों और आश्रमों की व्यवस्थाओं में सुधार लाने हेतु जनजातीय कार्य विभाग द्वारा एक विशेष निरीक्षण अभियान प्रारंभ किया गया है। कलेक्टर नेहा मारव्या के निर्देशन में यह अभियान 30 जून से 5 जुलाई 2025 तक जिलेभर में चलेगा। इसका उद्देश्य छात्रों को उपलब्ध कराई जा रही शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं की समग्र जांच करना है। अभियान के अंतर्गत 39 विशेष बिंदुओं पर गहन निरीक्षण किया जाएगा। सभी निरीक्षण अधिकारी फोटोग्राफ के साथ रिपोर्ट तैयार कर कार्यालय में जमा करेंगे। प्रतिवेदनों की समीक्षा कलेक्टर द्वारा वन-टू-वन चर्चा के माध्यम से की जाएगी।

निरीक्षण के मुख्य बिंदु होंगे:

भोजन व्यवस्थाः मेनू अनुसार संतुलित भोजन की उपलब्धता, रसोई की स्वच्छता व खाद्यान्न स्टॉक। स्वास्थ्य एवं स्वच्छताः शौचालय, स्नानगृह व नियमित साफ-सफाई की स्थिति, स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा। पेयजल व्यवस्थाः वाटर प्यूरीफायर, हैंडपंप/बोरिंग आदि से पेयजल की उपलब्धता और गुणवत्ता की जांच। रहवासीय सुविधाएंः बिजली, पंखे, खिड़की-दरवाजे, सीलिंग व बिस्तर की स्थिति। विद्यार्थियों की उपस्थितिः उपस्थिति रजिस्टर से वास्तविक उपस्थिति का मिलान। सुरक्षा एवं प्रकाशः परिसर में पर्याप्त रोशनी, सीसीटीवी व भवन की समग्र सुरक्षा व्यवस्था। खेल सामग्री और पुस्तकालयः छात्रों के लिए खेल-कूद व अध्ययन सामग्री की उपलब्धता। बागवानी एवं सौंदर्यीकरणः वृक्षारोपण, गार्डनिंग और रंगरोगन की स्थिति।

फोटोग्राफ अनिवार्यः
निरीक्षण के दौरान रसोईघर, छात्र कमरे, पानी की टंकियों, शौचालय और सीसीटीवी व्यवस्था के फोटोग्राफ अनिवार्य रूप से संलग्न किए जाएंगे। कमियों को उजागर कर सुधार हेतु सुझाव भी अंतिम रिपोर्ट में जोड़े जाएंगे।

निरीक्षण करने वाले अधिकारीः

इस अभियान में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भाग ले रहे हैं, जिनमें प्रमुख हैं – मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अनिल राठौर, अनुविभागीय अधिकारी सुश्री भारती मेरावी एवं ऐश्वर्य वर्मा, तहसीलदार रामप्रसाद मार्को, भरत सिंह वट्टे, सुकमन सिंह कुलेश, शैलेश गौर, नायब तहसीलदार पंकज तिवारी, सुंदर लाल यादव, भीमसेन पटेल, डिप्टी कलेक्टर रामबाबू देवांगन, कृषि विभाग से सुश्री अभिलाषा चौरसिया, विद्युत विभाग के आर.के. बघेल, पीएचई के प्रमोद उपाध्याय एवं अफजल इमाम उल्ला, महिला एवं बाल विकास से श्याम सिंगौर, जिला शिक्षा केन्द्र से राधवेन्द्र मिश्रा, श्रम, सहकारिता, आयुष, मत्स्य, उद्योग, खाद्य एवं आबकारी विभाग सहित जन अभियान परिषद और अन्य संबद्ध अधिकारी। जिले में शिक्षा और आवासीय सुविधाओं के सुधार की दिशा में यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। निरीक्षण के उपरांत कमियों की पहचान कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी ताकि छात्रावासों में रह रहे बच्चों को सुरक्षित, स्वस्थ और शिक्षाप्रद वातावरण मिल सके।

39 करोड़ में बना हाईटेक स्कूल, लेकिन रास्ता नहीं!

शहपुरा के बच्चों का सपना अधूरा, शिक्षा का हक़ हुआ लाचार, सिस्टम पर खड़े हुए गंभीर सवाल

शहपुरा - शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने के दावे हर सरकार करती है, मगर ज़मीनी हकीकत कई बार इन दावों की पोल खोल देती है।

डिंडोरी जिले के शाहपुरा नगर से मात्र 4 किलोमीटर दूर ग्राम चरगांव में बना 'सांदीपनी स्कूल' इसका जीता-जागता उदाहरण है जो पूरे 39 करोड़ रुपए की लागत से बना, आधुनिक तकनीक से लैस, अत्याधुनिक भवन तो है, लेकिन बच्चों की पहुँच से दूर है क्योंकि वहाँ तक जाने का कोई रास्ता ही नहीं है।

भवन तैयार, कक्षाएँ नहीं

एक साल पहले पूरी भव्यता के साथ स्कूल भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ, दीवारों पर रंग चढ़ गया, फर्नीचर भी आ गया, लेकिन बच्चे आज तक उसमें एक दिन भी पढ़ाई नहीं कर सके।

800 मीटर की संपर्क सड़क और एक पुल, जो मुख्य मार्ग को स्कूल से जोड़ता वो आज तक अधूरा है। और इसी वजह से स्कूल परिसर आज भी खाली, सुनसान और वीरान पड़ा है।

बच्चे आज भी पढ़ने को मजबूर हैं पुराने, खस्ताहाल भवन में

जब सरकार की तरफ से करोड़ों खर्च कर नया स्कूल बनवा दिया गया, तो सवाल यह उठता है कि बच्चों को आज भी क्यों पढ़ना पड़ रहा है जर्जर इमारत में, जो ना तो सुरक्षित है, ना सुविधाजनक?

"छत टपकती है, दीवारें टूट रही हैं लेकिन मजबूरी है साहब! नया स्कूल तो बस देखने भर के लिए बना है"

एक शिक्षक, नाम न छापने की शर्त पर

जनप्रतिनिधि चुप, अफसर मौन जिम्मेदारी किसकी?

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि उन्होंने इस विषय में कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

विभागों के बीच तालमेल का अभाव, राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी और प्रशासनिक उदासीनता इस पूरे मामले को "विफल सरकारी प्लानिंग" का प्रतीक बना रही है।

अभिभावकों और छात्रों में निराशा

"बिल्डिंग देखकर बच्चों की आंखें चमक गई थीं, लेकिन जब रास्ता नहीं बना, तो सब मायूस हो गए। अब बच्चे फिर से उसी पुरानी बिल्डिंग में पढ़ रहे हैं जहां हर वक्त खतरा बना रहता है।"

एक छात्र की माँ, ग्राम चरगांव

> "क्या हमारा बच्चा इस देश का नागरिक नहीं? क्या हमें भी शिक्षा का समान अधिकार नहीं?"

नाराज़ अभिभावक

सरकार और प्रशासन से सवाल

क्या 39 करोड़ रुपए सिर्फ दीवारें खड़ी करने के लिए खर्च हुए?

एक साल में 800 मीटर सड़क और एक पुल नहीं बना पाना प्रशासन की विफलता नहीं तो और क्या है?

क्या बच्चों की शिक्षा को राजनीतिक प्राथमिकताओं में सबसे नीचे रखा गया है?

क्या यह भ्रष्टाचार की बू नहीं दे रहा?

फर्जी आधार कार्ड से होटल में ठहरने वाले युवक को अदालत ने सुनाई 3 साल की सजा

डिंडौरी।

कूटरचित दस्तावेजों के सहारे जिला मुख्यालय के एक होटल में ठहरने और होटल संचालक को गुमराह करने वाले युवक को आखिरकार जेल की सलाखों के पीछे जाना पड़ा है। अदालत ने कड़ी टिप्पणी करते हुए आरोपी को तीन अलग-अलग धाराओं में दोषी करार देते हुए 3 साल तक के सश्रम कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई है।

यह पूरा मामला डिण्डौरी थाना क्षेत्र का है। मीडिया सेल प्रभारी एवं अभियोजन अधिकारी मनोज कुमार वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी तौसिफ मंसूरी पिता जहांनूर उम्र 27 वर्ष निवासी ई49/बी 325 जनता कॉलोनी, जफराबाद थाना वेलकम, नई दिल्ली ने नीलम होटल में ठहरने के लिए फर्जी आधार कार्ड का इस्तेमाल किया था। आरोपी ने समीर श्रीवास्तव नाम से फर्जी आधार दिखाया और खुद को पुलिस महानिरीक्षक (IG) का बेटा बताकर होटल संचालक को भ्रमित किया।

कैसे हुआ खुलासा?

18 नवम्बर 2022 को नीलम होटल के संचालक पवन शर्मा को युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। उसने तुरंत कोतवाली पुलिस को सूचना दी कि एक युवक खुद को IG का बेटा बताकर होटल में ठहरा हुआ है, जबकि उसकी हरकतें संदेहास्पद हैं। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक अमरसिंह मरकाम के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देख आरोपी होटल से निकलकर खेतों की तरफ भाग खड़ा हुआ। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया और कुछ ही घंटों बाद आरोपी को उत्कृष्ट ग्राउंड के पास से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में आरोपी के पास से दो आधार कार्ड मिले, एक असली, जिसमें उसका नाम तौसिफ मंसूरी था और दूसरा फर्जी आधार कार्ड, जिसमें वही आधार नंबर था लेकिन नाम बदलकर समीर श्रीवास्तव और पता जयपुर (राजस्थान) लिखा गया था।

इंस्टाग्राम के जरिए आया था

पूछताछ में तौसिफ मंसूरी ने गोलमोल जवाब देते हुए पुलिस को बताया कि वह इंस्टाग्राम के जरिए डिण्डौरी आया था। हालांकि उसके डिंडौरी आने का मकसद स्पष्ट नहीं हो सका।

अमरपुर महाविद्यालय में किया गया "नशा मुक्त भारत पखवाड़े" का आयोजन

अमरपुर। शासकीय महाविद्यालय अमरपुर में मध्य प्रदेश उच्चशिक्षा विभाग भोपाल के आदेशानुसार और महाविद्यालय प्राचार्य संदीप सिंह के निर्देशन में एवं राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. सीमा डावर के मार्गदर्शन में नशा मुक्ति पखवाड़े पर कार्यक्रम का आयोजित किया गया। जिसमें नशा मुक्ति पखवाड़े के तहत जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यक्त्व प्रस्तुत करते हुए प्राचार्य संदीप सिंह ने कहा कि नशा करने वाला व्यक्ति स्वयं ही बर्बाद नहीं होता हैं बल्कि अपने साथ साथ पूरे परिवार एवं समाज को प्रभावित करता हैं। साथ ही उन्होंने छात्र, छात्राओं को नशा मुक्ति से संबंधित शपथ भी दिलाई गई। वहीं पर राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी डॉ. सीमा डावर द्वारा नशा मुक्ति पखवाड़े अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों में रंगोली प्रतियोगिता, चित्र कला, भाषण, वाद विवाद आदि का आयोजन किया गया। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि नशा मुक्ति अभियान का उद्देश्य महाविद्यालय स्तर पर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से छात्र, छात्राओं को जोड़कर समाज को जागृत करने के लिए प्रोत्साहित करना हैं। इस आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के स्टाफ डॉ. सुनील कुमार काकोड़िया, डॉ. स्वर्णिम पटेल, डॉ. कंचन ताम्रकार, डॉ. सौरभ सामंत, डॉ. पुष्पेंद्र तिवारी, कैलाश कुमार लखेरा, प्रदीप कुमार कहार, दीपचंद गुप्ता, समीर धुर्वे, ओमकार वाडिया, कमलेश वास्पे सहित महाविद्यालय के अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

नाबालिग बालिका के अपहरण और दुष्कर्म के आरोपी को पॉक्सो कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

डिंडौरी। आदिवासी अंचल में मासूम बच्चियों के साथ अपराध करने वालों पर जिला न्यायालय ने कड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई है।

विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कमलेश कुमार सोनी की अदालत ने आरोपी पूरब उर्फ पप्पू पिता स्व. संतोष उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम पौला, थाना मंझौली जिला जबलपुर को नाबालिग बालिका को शादी का झांसा देकर भगाने और बलात्कार करने के मामले में दोषी मानते हुए आजीवन कारावास सहित कुल 16 वर्ष का कठोर कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है।यह जानकारी मीडिया सेल प्रभारी, अभियोजन अधिकारी ने दी। उन्होंने बताया कि थाना शहपुरा में वर्ष 2022 में प्रकरण दर्ज किया गया था। अभियोजन पक्ष ने अदालत में मजबूत साक्ष्य और तर्क प्रस्तुत कर आरोपी को दोषी साबित किया।

- सजा का विवरण

- धारा 366 भादवि के तहत अपहरण के लिए 3 वर्ष कठोर कारावास एवं 500 रुपये अर्थदंड।
- धारा 376(1) भादवि के तहत बलात्कार के लिए 10 वर्ष कठोर कारावास एवं 500 रुपये अर्थदंड।
- धारा 3(2)(V) एससी/एसटी एक्ट के तहत आजीवन कारावास एवं 1000 रुपये अर्थदंड।
- धारा 3(2)(Vक) एससी/एसटी एक्ट के तहत 3 वर्ष कठोर कारावास एवं 500 रुपये अर्थदंड।
- अगर आरोपी अर्थदंड नहीं भरता है तो उसे क्रमशः अलग-अलग धाराओं में 1 से 2 महीने का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा।

ईको क्लब उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय शहपुरा में वृक्षारोपण

मिशन लाइफ पोर्टल पर अपलोड की गई जानकारी

शहपुरा। शासन के निर्देशानुसार प्राचार्य संदीप सोनी के मार्गदर्शन में एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत समी ईको क्लब उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय शहपुरा में सिंदूर पौधे का वृक्षारोपण किया गया इसे भारतीय सेना के पराक्रम ऑपरेशन सिंदूर की स्मृति से जोड़ते हुए प्राचार्य महोदय एवं स्टाफ द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई महत्वपूर्ण वृक्षारोपण में विद्यालय के शिक्षक आरपी झारिया केके तिवारी राधेश्याम साहू राजकुमार साहू समी ईको क्लब प्रभारी अश्विनी साहू धर्मसिंह विद्यार्थी राहुल एवं उनकी माता गेंदा बाई अमन यादव अमित झारिया अंसुल चक्रवर्ती उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि उक्त वृक्षारोपण की जानकारी मिषन लाइफ पोर्टल पर भी अपलोड की गई जिसका भागीदारी प्रमाण पत्र पोर्टल द्वारा डाउनलोड किया गया प्राचार्य संदीप सोनी द्वारा सभी से अधिक से अधिक वृक्षारोपण की अपील की गई।

भोपाल के चिरायु अस्पताल में भर्ती अमन नामदेव से मिलने पहुंचे शराब ठेकेदार प्रवीण राय

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। 14 जून की रात कोतमा थाना अंतर्गत शुक्ला ढाबा के पास हुए सड़क हादसे में घायल अमन नामदेव से मिलने के लिए नगर के शराब ठेकेदार प्रवीण राय गुरुवार को भोपाल स्थित चिरायु हॉस्पिटल पहुंचे। हादसे के बाद से ही अमन गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती हैं, जहां अब उनकी स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है।

कार्यालय बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी मर्यादित (बी पेक्स) रनगांव पंजीयन क्रमांक 164

क्र./आमसभा/2025/ **विशेष साधारण आमसभा की सूचना** दिनांक 20.06.2025

समिति के समस्त सम्मानीय सदस्यो को सूचित किया जाता है कि संस्था में विशेष साधारण आमसभा का आयोजन संस्था का पुनर्गठन किया जा कर नवीन समिति बरौदी बनाये जाने के संबंध में बी-पैक्स रनगांव कार्यालय में 09/07/2025 दिन बुधवार को समय 12:30 बजे से बैठक रखी गई है। गणपूर्ती (कोरम) मे अभाव मे बैठक स्थगित होने की दशा में स्थगित सभा उस स्थान पर आधा घण्टे पश्चात पुनः साधारण सभा की जावेगी जिसमें गणपूर्ति की आवश्यकता नही होगी

कृप्या आपकी उपस्थिति प्रार्थनीय है

एजेण्डा :-
1. संस्था के पुनर्गठन के संबंध में विचार।
2. अन्य विषय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से।

समिति प्रबंधक
बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी सोसायटी मर्यादित (बी-पेक्स) रनगांव पंजीयन क्रमांक 164

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

14

जबलपुर, रविवार 29 जून 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

युवती ने खाया जहर

हरिभूमि - नरसिंहपुर। गत युवती अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार चांदनी अंकित मेहरा उम्र 23 वर्ष निवासी डोकरघाट थाना स्टेशन गंज निवासी द्वारा अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया जिसे परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

अधेड़ को सर्प ने काटा

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस घर पर काम करते समय व्यक्ति को सर्प ने काट लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गिरवर पिता गोपाल मेहरा उम्र 39 वर्ष निवासी उमरिया चिनकी थाना कोतवाली को घर पर काम करते समय सर्प ने काट लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

सड़क दुर्घटना मे युवती घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली मे हुई सड़क दुर्घटना मे युवती घायल हो गई। पुलिस ने बताया कि कृतिका पिता संतोष गोस्वामी उम्र 22 वर्ष निवासी धनारे कॉलोनी को सुनका चौराहा के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वह घायल हो गई। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

भाजपा पदाधिकारी के साथ मारपीट, दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस भाजपा युवा मोर्चा पदाधिकारी के साथ दो लोगों द्वारा मारपीट कर दी गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शिवम पिता ब्रजमोहन श्रीवास्तव उम्र 34 वर्ष निवासी आई सी आई बैंक के पास थाना कोतवाली नरसिंहपुर के साथ स्थानीय जनपद मैदान के पास दो लोगों द्वारा मारपीट कर दी गई। घायल को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया। पुलिस ने पीड़ति की रिपोर्ट पर दो लोगों पर मामला कायम कर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उक्त मामले के संबंध मे बताया गया कि भाजपा पदाधिकारी के साथ उनकी कोई आपसी बुराई के चलते मारपीट की गई।

बरहटा स्कूल प्रारंभ किया गया तम्बाकू विरोधी अभियान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। स्कूलों में तम्बाकू मुक्त पीढ़ी की ओर अभियान के तहत, शिक्षा मंत्रालय के शैक्षणिक संस्थानों को तंबाकू और नशीले पदार्थों से मुक्त बनाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी पहल शुरू की है, जिसके तहत आज शासकीय कृषि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरहटा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें छात्रों, शिक्षकों और समुदाय को शामिल किया गया है। इस पहल में, स्कूलों को तंबाकू मुक्त परिसर बनाने, जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने और छात्रों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के बारे में शिक्षित करने के लिए प्रोत्साहित किया किया गया। जीवविज्ञान शिक्षक तरुवर पटेल ने विस्तार से कैंसर होने के कारणों पर प्रकाश डाला। शुरुआत में स्कूल में विद्यालय शिक्षक सुनील दीक्षित एवं भागचंद झरिया द्वारा बच्चों के साथ तंबाकू की आदतों के कारण स्वास्थ्य, परिवार और समाज पर पड़ने वाले बुरे प्रभावों को लेकर श्रृंखलाबद्ध चर्चा आयोजित कराई गई. विद्यालय प्राचार्य शैलेन्द्र बक्शी ने कहा कि यदि बच्चे कम उम्र में नशे के दुष्परिणाम समझें तो निश्चित तौर पर भविष्य की पीढ़ी स्वास्थ्य और स्वस्थ्य परिवेश के प्रति सजग बन सकती है. व और कहा कि कुछ दिनों में ही स्कूल के प्रयास रंग लायेगे समाज नशा मुक्त बनेगा, स्कूल के अतिरिक्त सत्रों में बच्चों ने तंबाकू-मुक्ति के समर्थन में अनेको पोस्टर और नारे तैयार किए।

नहीं रहे आशाराम जाटव

तेंदूखेड़ा। क्षेत्र के प्रतिष्ठित बिजोरया

परिवार के रिटायर्ड शिक्षक आशाराम जाटव का लंबी बीमारी के बाद दुखद निधन हो गया। सेवा भावी सामाजिक सांस्कृतिक गतिविधियों में संलग्न रहने वाले आशाराम मासाब धनीराम मिथलेश और संतोष जाटव के पिता थे। शनिवार को सुबह सुबह पूर्व विधायक संजय शर्मा से अति लगाव के चलते इनकी कुशल क्षेम जाने इनके निवास पर पहुंचे थे। दोपहर में अचानक निधन हो जाने पर समाज के सभी वर्गों के लोगों ने पहुंचकर अंतिम यात्रा में शामिल होकर श्रंद्धाजलि अर्पित की।

दूसरे दिन अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के आश्वासन के बाद माने परिजन

बेटी की मौत को लेकर किया जा रहा था चक्काजाम

जिला अस्पताल में गला रेत की गई थी हत्या पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

विगत दिवस जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड के सामने युवती के साथ मारपीट कर आरोपी द्वारा गला रेंत कर हत्या कर दी गई थी युवकी की हत्या के बाद गुस्साए परिजनों एवं अन्य संगठन के लोगों द्वारा जिला अस्पताल के सामने चक्काजाम किया गया और परिजन आरोपी को फांसी की सजा ओर एक करोड़ के मुआवजे की मांग करते रहे देर रात तक चक्का जाम रहा वही सुबह होते ही पुनः चक्काजाम कर परिजनों द्वारा प्रदर्शन प्रारंभ किया गया। जानकारी के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वार मौके पर पहुंच कर सहायता राशि प्रदान कराई तथा ठोस कार्रवाई का आश्वासन देकर चक्काजाम खुलवाया गया।

मामला इस प्रकार

शुक्रवार को कक्षा 12 वीं की व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए जिला अस्पताल गई हुई थी तभी आरोपी अभिषेक कोष्टी द्वारा अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड सामने गला रेंत कर हत्या कर दी गई। पुलिस की पूछताछ में आरोपी द्वारा बताया गया कि नर्स छात्रा संध्या के साथ बीते दो वर्ष से प्यार का सिलसिला चल रहा था बीते दिनों से किसी बात को लेकर दोनो के बीच अनबन चल रही थी उसी बात को लेकर वह गुस्से में था और चाकू लेकर जिला अस्पताल पहुंचा जहां पर विवाद के दौरान मारपीट कर दी गई और गुस्से मे आकर उस पर चाकू से वार किया गया जिससे उसकी अधिक खून बहने से युवती की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में पाया गया है कि कुछ समय से वह संध्या को परेशान भी कर रहा था, लेकिन संध्या ने यह बात परिवार में किसी को नहीं बताई थी। स्वजन अभी कुछ बोलने की स्थिति में नहीं हैं, इसलिए उनके बयान नहीं हो सके हैं। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज जब्त किए हैं।

आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

जिला अस्पताल मे बेटी की मौत के बाद उक्त घटना की चर्चा की जा रही थी वही प्रशासन द्वारा परिजनों को समझाइश दी गई। वही घटना के बाद आरोपी द्वारा पुलिस के पास जाकर सरेंडर कर दिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी न्यायालय मे पेश कर दिया गया जहां पर आरोपी को जेल भेज दिया गया। वही प्रदर्शन के दौरान आरोपी का घर गिराने की मांग भी की गई। उसके बाद परिजन माने और शव का परीक्षण

कराकर स्थानीय नकटुआ मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस ने फास्ट ट्रैक कोर्ट में केस चलाने का आश्वासन दिया है। वही उक्त घटना के बाद जिला अस्पताल प्रबंधन की सुरक्षा व्यवस्था पर भी लोगों द्वार सवाल उठाए जा रहे है।

दूसरे दिन पहुंचे जनप्रतिनिधि

उक्त घटना के दूसरे दिन पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, रामस्नेही पाठक जिला अध्यक्ष भाजपा एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा पीड़ितों की खबर ली और मौके पर पहुंचकर शोक संवेदनाएं व्यक्त करते हुए आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की बात कही और आरोपी पर ठोस कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया गया। वही जिला प्रशासन की ओर एस डी एम, तहसीलदार , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भी मौके पर मौजूद रहे। विचारणीय यह है कि घटना की चहुंओर निंदा की जा रही थी तथा शोसल मीडिया के माध्यम से अलाकमान अधिकारी व राजनेताओं को भी सूचना मिल चुकी थी सत्ताधारी जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों द्वारा दूरी बनाए रखी और दूसरे मौके पर पहुंचे जो चिंता का विषय है। वही मृतिका की दादी ने बताया कि वह परिवार की इकलौती बेटी थी एवं डॉक्टर बनना चाहती थी। परिवार के अन्य सदस्य भी नौकरी करते है। परिवार में सबकी लाड़ली थी। उसने कभी नहीं बताया कि कोई उसे परेशान करता है।

संगोष्ठी सभा का आयोजन, लोकतंत्र की रक्षा का लिया संकल्प

लोकतंत्र सेनानियों के साहस और संघर्ष को नमन: प्रहलाद पटेल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस भाजपा द्वारा देश में लगाए गए आपातकाल के काले अध्याय के 50 वर्ष होने के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन करेली नगर के डीएम पैलेश में किया गया। संगोष्ठी मप्र शासन के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के मुख्य आतिथ्य में लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी की अध्यक्षता व लोकतंत्र सेनानी संघ के प्रदेश अध्यक्ष तपन भौमिक, प्रदेश कार्यालय मंत्री राजनारायण अग्निहोत्री, संभागीय संयोजक डॉ पी एस सेठ, भाजपा जिलाध्यक्ष पं. रामस्नेही पाठक, तेंदुखेडा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, गोटेगांव विधायक महेंद्र नागेश, नगर पालिका अध्यक्ष करेली सुशीला ममार, लोकतंत्र सेनानी संघ के जिलाध्यक्ष संतोष तिहैया की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मप्र शासन के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने 1975 के आपातकाल पर प्रकाश डाला गया व विस्तारपूर्वक बताया गया किस तरह उस समय की सरकार ने सत्ता में रहने के लिए लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई व आपातकाल की घोषणा करवाई तत्कालीन प्रधानमंत्री इंद्रा गांधी ने संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आंतरिक अशांति का हवाला देकर राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की यह आपातकाल 21 महीनों तक चलता रहा जिस में 1 लाख से ज्यादा लोगों को कारगर के पीछे डाला व कई लोगों को गोलियां मार कर तानाशाही चलाई आपातकाल भारत के लोकतंत्र के इतिहास का काला अध्याय है, इसी आपातकाल के दौरान हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी गुप्त रूप से अभियान चलाते हुए इंदिरा सरकार द्वारा लगाए गए इस आपातकाल के विरोध में जन आंदोलन चलाते हुए इसका विरोध किया था। इसी के साथ ही सम्पूर्ण देश व मध्यप्रदेश में भी अनेकों लोकतंत्र सेनानियों ने कांग्रेस की तानाशाही के खिलाफ विरोध किया जिसके फलस्वरूप उन्हें जेलों में बंद किया गया। लोकतंत्र की आवाज को बुलंद करने वाले कैलाश सोनी जी सहित सभी लोकतंत्र सेनानियों के साहस और संघर्ष को नमन करता हूं जिन्होंने अत्याचार के खिलाफ आवाज बुलंद की और कांग्रेस सरकार की तानाशाही के सामने न कभी झुके न कभी माफी मांगी। लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद कैलाश सोनी ने कहा कि भारतीय समाज ने 3 लोगों के अत्याचार को सहा और देखा है जिसमें पहला है मुगल, दूसरा अंग्रेज और तीसरा कांग्रेस इन तीनों ने ही सत्ता की भूख के लिए ही देश को लूटा और लोगों पर अत्याचार किए। देश के आजाद होने के बाद श्रीमति गांधी ने अपनी कुर्सी को बचाने के लिए लोकतंत्र को रौंदा, संविधान के मूल्यों की हत्या की और उन तमाम आवाजों को दबाते हुए देश में आपातकाल लगाने का महापाप किया। उन्होंने विभिन्न विचारधारा के लोगों नेताओं के साथ साथ पत्रकारिता फिल्म जगत पर पाबंदी लगाई साथ ही न्याय प्रणाली पर भी अपना नियंत्रण रखा। श्रीमति गांधी ने आपातकाल की आड़ में सम्पूर्ण देश में तानाशाही चलाई और पूरे देश को कारागार में बदल दिया। उस समय लोकतंत्र की रक्षा के लिए जो लोग आगे आए उन निर्दोश लोगों को अकारण ही जेल में ठूस दिया गया था। संगोष्ठी की जानकारी देते हुए जिला मीडिया प्रभारी अभिनव शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत में भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में आपातकाल की परिस्थितियों पर प्रकाश डाला व नई पीढी को लोकतंत्र सेनानियों से कार्य करने की पद्धति सीखने की अपील की कार्यक्रम को विधायक विश्वनाथ सिंह पटैल, पी.सी.सेठ, संतोष तिहैया व सुशीला ममार ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में जिले भर से पधारे समस्त मीसाबंदियों व परिवार जनों का उपस्थित अतिथि गणों ने माला एवं शॉल श्रीफल से सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व मंडल अध्यक्ष रजत चैहान एवं आभार कार्यक्रम संयोजक नीलकमल जैन ने किया। कार्यक्रम के अंत में वंदे मातरम् का गायन युवा मोर्चा मीडिया प्रभारी प्रखर दुबे द्वारा किया गया। इस अवसर जिले भर से आए लोकतंत्र सेनानी व उनके परिवारजन, पूर्व विधायकगण, जनप्रतिनिधि गण, जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी, सहित मोर्चा प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं सहित श्रेष्ठजन उपस्थित रहे।

पुलिस के हत्थे चढ़े 4 अन्तर्राज्यीय गांजा तस्कर, 21 किलो 65 ग्राम अवैध गाँजा जप्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।

गत दिवस थाना क्षेत्र करेली पुलिस को दौरान भ्रमण के रेल्वे स्टेशन नीलेश्वर मंदिर, करेली के पास चार व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में हल्के नीले रंग की बोरी लिये खडे दिखे जिन पर संदेह होने पर स्टाफ द्वारा घेराबंदी कर पकडा एवं उनकी तलाशी ली गयी, आरोपीगणों के सयुक्त कब्जे से हल्के नीले रंग की बोरी 21 किलो 65 ग्राम गाँजा कीमती 350000 रुपये का रखा पाया गया जिसे जप्त कर आरोपीगणों के विरूद्ध विधिवत कार्यवाही करते हुए उनके विरूद्ध अपराध क्रमांक 582/25 धारा 8/20 (सी), 29 एनडीपीएस एक्ट का मामला पंजीबद्ध कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। पुलिस ने बताया के अभिजीत पिता सनातन नायक, उम्र 20 साल, निवासी अडावा, थाना अडावा, जिला गजपति, उडीसा, पवित्र पिता वनबासी बीडिका, उम्र 27 साल, निवासी अक्खूसिंघी, थाना पदमपुर, जिला रायगढा, उडीसा, सानू पिता प्रांचिस लीमा, उम्र 26 साल निवासी सुंदरपुर, थाना पदमपुर, जिला रायगढा, उडीसा, रमेश पिता दस्सो कराडा, उम्र 33 साल, निवासी मेरिया पंगा, थाना गुराडी, जिला रायगढा, उडीसा को मौके पर गांजे के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त कार्रवाई में उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी करेली निरीक्षक प्रियंका केवट, उनि अभिषेक जैन, प्र. आर. कुलदीप सोमकुवंर, प्र.आर. राजेश नंदा, वरिष्ठ आरक्षक राजेश बागरी, आरक्षक विपिन पटेल, आरक्षक सचिन पटेल, आरक्षक दिनेश केवट, आरक्षक चेतन, आरक्षक रोहित बारोलिया सायबर सेल से आरक्षक नीरज डेहरिया की मुख्य भूमिका रही।

उबालकर छानकर या आरो का पानी पियें

बरसात में उल्टी-दस्त आंव पेचिस पेट दर्द होने बढ़ते हैं मरीज

तेंदूखेड़ा। बरसात के दिनों में बरसात का पानी जलस्त्रोतों में पहुंचता है।यही पानी हम हेंडपंपो के माध्यम से पीने के उपयोग में लेते हैं। शुरुआत का यह दूषित पानी हमारे लिए पीड़ा दायक हो जाता है। बहुत सी बीमारियां केवल पानी से ही उत्पन्न होती है। इसलिए हमें पानी को उबालकर छानकर या आरो का पानी उपयोग में लेना चाहिए। बरसात के दिनों में अक्सर कर पेट दर्द आंव पेचिस उल्टी-दस्त के मरीज अधिकांशतः अस्पतालों में देखने को मिला करतें हैं। छोटी-छोटी सी बातों को ध्यान में रखकर यदि सुधार हो जाता है तो हम विभिन्न प्रकार की व्याधियों से बच सकते हैं।इन सभी विषयों को लेकर विशेषज्ञ डाक्टरों ने हमारे प्रतिनिधि को बताया कि ब्लाक मेडीकल आफीसर डा राजकिशोर पटेल का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में दूषित पानी की बहुत ज्यादा समस्या बढ़ जाती है।जल स्त्रोतों के आस पास जमा होने फिर वही पानी रिचार्ज वापिस आने उसी को पीने से समस्या बनती है। लोगों को चाहिए कि पानी को उबालकर छानकर या आरो का पानी पियें । अक्सर कर उल्टी-दस्त आंव पेचिस पेट दर्द की शिकायतें बढ़ती है। लोगों को चाहिए अपने इर्द-गिर्द साफ सफाई बनाकर रखें। भोज्यपदार्थ सामग्री को ढककर रखें। चाट नाश्ता की दुकानों पर सामग्री को ढक कर रखनी चाहिए मक्खियों को बिल्कुल बैठने ना दें।ऐसी स्थिति में संक्रामक बीमारियों को बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

जलभराव ना हो मच्छरों को ना पनपने दें

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डा दामोदर जाटव का कहना है कि बरसात के दिनों में अक्सर कर जल भराव की स्थिति सामने देखने को मिला करती है।जल भराव से मच्छर पनपते हैं। जिनसे मलेरिया और डेंगू जैसे मच्छर बढ़ते हैं।इनके काटने से डेंगू और मलेरिया बुखार बढ़ने की समस्या बढ़ जाती है।इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। तत्काल समीप के अस्पताल में जांच करानी चाहिए। और समुचित इलाज लेना चाहिए।

जनपद शिक्षा केंद्र में बीपीएमयू बैठक

तेंदूखेड़ा

विगत शनिवार को समस्त बीएसी और 10 जनशिक्षा केन्द्रों चांवरपाठा तेन्दूखेडा डोभी खुरसुरू सीहोरा बोहानी कोड़िया के जनशिक्षकों को शासन के समस्त निर्देशों का पालन करते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में बीआरसी सुनील श्रीवास्तव ने बिंदुवार समीक्षा करते हुए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। जिसमें मुख्य रूप से कक्षा 1 से 8 तक कक्षा और शाला वार दर्ज संख्या एजूकेशन पोर्टल 03 पर दर्ज न होने वाले छात्रों की सूची कक्षा 6 वी 5 वी मे नामांकन किये गए सर्वे के अनुसार कक्षा वार जानकारी निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण जर्जर शालाओं की जानकारी, शालाओं में नामांकन की स्थिति गणवेश हेत 100% खाते एमडीएम एप के माध्यम से बच्चों की उपस्थिति के दैनिक और मासिक आंकड़ों की प्रविष्टि करना इत्यादि के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।तथा नवभारत साक्षरता कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम ई अटेन्डन्स अपार आईडी आदि पर निर्देशित किया बैठक में जन शिक्षक ज्ञान सिंह कौरव सतीष शर्मा महेश ठाकुर जितेंद्र कौरव नीरज जैन त्रिलोक जैन जगन्नाथ सिलावट ताराचंद चौधरी कमलेश मेहरा देव कांत दुबे रमेश कौरव गोविन्द जाटव प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बरसात के दिनों में गांव से बाहर जाना हो जाता मुश्किल

दुर्गम मार्ग से चलने में हो रही परेशानी

तेंदूखेड़ा

एक तरफ जहां शासन ग्रामीण क्षेत्रों को पक्के सड़क मार्गों से जोड़ने के साथ विकास की मुख्य धारा से जोड़ने की दिशा में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। लेकिन चांवरपाठा विकास खंड के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सर्रा बंधी का टपरिया ग्राम जो ना तो राजस्व रिकार्ड में दर्ज है और ना ही यहां शासन की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं।इस गांव की यह स्थिति बनीं हुई है कि बरसात के दिनों में अंडमान निकोबार द्वीप समूह की तरह हो जाता है। यहां से जाने वाला सड़क मार्ग अत्यंत दुर्गम हो जाता है।जिस पर चल पाना भी मुश्किल हो जाता है। यहां तक की स्कूली बच्चों को या तो तेंदूखेड़ा में किराए से कमरा लेकर रखना पड़ता है या फिर छोटे छोटे बच्चों को लेकर दो घंटे पहले ही घर से कीचड़ युक्त मार्ग से निकालना पड़ता है। मुख्य सड़क पर पहुंच कर हाथ पैर धोने के बाद फिर ड्रेस बदलकर छात्र छात्राएं स्कूल पहुंच पातीं है। लगभग डेढ़ दो सौ आबादी वाले इस गांव से मुख्य सड़क तक आने वाले सड़क मार्ग के बीचोंबीच एक नाले पर बरसात का अधिक पानी होने की स्थिति में कच्चा पुल बनाकर लोग आना-जाना किया करते थे। जैसे तैसे प्रशासनिक अधिकारियों ने इस गांव की पीढ़ा को समझकर यहां पर एक पक्की पुलिया निर्माण करवा दी है लेकिन सड़क विहीन गांव में आने जाने की बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है। गांव में यदि कोई बीमार हो जाता है या कोई समस्या आ जाती है तो लोगों को तत्काल लेकर आना टेड़ी खीर हो जाता है।इस गांव को जाने के लिए केवल गाडरवारा सड़क मार्ग से ही जाने एक मात्र रास्ता है। बरसात के दिनों में किसानों के ट्रेक्टर ट्राली कृषि कार्य को लेकर निकलने के कारण और ज्यादा गड्ढे हो जाते हैं और चिकनी मिट्टी से निकलने में पैदल आना जाना फिसलन के कारण पीढ़ा

दायक बना हुआ है।

बच्चों को लेकर जाना होता है मुश्किल

गांव के प्रतिष्ठित भागवत पटेल का कहना है कि बरसात के चार महीने के लिए बहुत ज्यादा समस्या बन जाती है।स्कूली बच्चों को स्कूल के समय पर लाना और स्कूल फिर वापिस लौटाकर वापिस ले जाना बहुत ज्यादा पीढ़ा दायक हुआ करता है।या तो तेंदूखेड़ा में कमरा किराए से लेकर रहना पड़ता है या फिर सुबह जल्दी उठकर स्कूल का समय मिलाने आना पड़ता है।

बीमार व्यक्तियों लाने में होती है परेशानी

गांव के प्रतिष्ठित खोजर परिवार के रेवाराम खोजर बताते हैं कि रात्रि या दिन के समय कोई गंभीर रूप से बीमार हो जाता है तो उसे तत्काल उपचार के लिए लाना ले जाना काफी कष्टकारी हो जाता है। यहां से ट्रेक्टर के अलावा कुछ नहीं निकल पाता है। त्वरित चिकित्सा के चलते समय अधिक लगना जीवन मृत्यु से संघर्ष करने के जैसा हुआ करता है।

गांव के साथ हो रहा भेदभाव

शिवदयाल पटेल कहते हैं कि हमारा गांव सर्रा ग्राम पंचायत में आता है।जब मतदान के समय हर आदमी से मतदान करने के लिए शत-प्रतिशत मतदान की बात कही जाती है।उस समय मूलभूत सुविधाओं की बड़ी बड़ी बाते कहीं जातीं हैं। सड़क मार्ग बनवाने आश्वासन दिए जाते हैं।अब हम लोगों की समस्यायों को देखने सुनने कोई भी नहीं आता।

स्कूल जाना होता है पीढ़ा दायक

गांव का ही कक्षा नवमीं में पढ़ने वाला छात्र अंशुल पटेल बताता है कि स्कूल जाना काफी कष्टकारी होता है।दो घंटे पहले घर से जाना फिर देर शाम तक वापस आना होमवर्क पूरा करना काफी थकान हो जाती है। बरसात भर में बहुत ज्यादा परेशानी हुआ करती है।